

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

दो दिवसीय  
अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

वैश्विक स्तर पर  
हिंदी भाषा की प्रासंगिकता

अभियुक्त  
2022

दिनांक  
19 एवं 20 अप्रैल 2022

## उद्देश्य

क्रियात्मकता को शब्दों में बांध पाना अत्यंत दुरुह है। फिर भी किसी भी रचनाकार के लिए अपनी अभियक्ति को समर्पित करने हेतु शब्दांकन आवश्यक होता है। माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं हैं। हिन्दी भारत की बिंदी है।

हिन्दी ही भारत की वह भाषा है जिसने अपनी महान परम्पराओं के द्वारा सबसे संबंध बनाए रखा है। साथ ही आज हिन्दी को विविध कलाओं और कौशलों से जोड़ते हुए एक उत्सव का रूप दिया जाना चाहिए। क्योंकि हिन्दी ही हमें पूरे देशों से जोड़ती है। वस्तुतः विश्व की चौथी सबसे बड़ी भाषा है, हिन्दी का वैश्विक परिप्रेक्ष्य काफी व्यापक है, इसलिए भारतीय भाषाओं के साथ हिन्दी के संबंध सुदृढ़ हैं।

भाषा को इंसान, संस्कृति व समाज की रचना और उसके विकास की बुनियाद माना जाता है। आज की महती आवश्यकता है हिन्दी भाषा, जो पश्चिमी परम्पराओं को अपनाने के साथ हिन्दी भाषा की संस्कृति और संरक्षकर कमजोर पड़ने लगे हैं। भाषा व्यवहार से आती है, व्यवहार में लाने से भाषा का प्रसार होता है, हिन्दी के प्रति हमें जो स्वाभिमान की कमी है, उसी कारण आज यह शोचनीय विषय है।

अपनी भावना, परिवेश का वित्रण सिर्फ मातृभाषा से संभव है। हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान, विकास महत्व एवं भावनाओं के प्रति सक्षम बनाने हेतु आज विविध विचारों एवं चिंतन की आवश्यकता अत्यंत ज़रूरी है। निश्चित ही इस सम्मेलन के माध्यम से वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की प्रासांगिकता के विविध आयाम हमारे समक्ष अपने सकारात्मक स्वरूप के साथ आएंगे। इन विकल्पों के माध्यम से हिन्दी भाषा का एक वट-कल्प निर्मित हो सकेगा।

## विश्वविद्यालय के बारे में

आई.सी.एफ.ए.आई., विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) एकट 2005 के सेक्षन 09 (02) के अंतर्गत स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय के स्थापना की अधिसूचना छत्तीसगढ़ राज्य के राजपत्र में दिनांक 25 मार्च 2011 को प्रकाशित की गई।

यह विश्वविद्यालय यू.जी.सी. के अधिनियम 1956 की धारा 22 के अनुसार डिग्री अवार्ड करने हेतु अधिकृत हैं। विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एन.सी.टी.ई.) से बी.एड. कार्यक्रम संचालन हेतु मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संगठन का सदस्य है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में शिक्षा, प्रबंधन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, विज्ञान, वाणिज्य तथा कला एवं मानविकी संकाय उपलब्ध हैं, जिनमें विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।



# केन्द्रीय सलाहकार समिति

**डॉ. राजेश दुबे**

प्राचार्य

शासकीय नवीन महाविद्यालय, खरोरा

**डॉ. समीर शुक्ला**

कार्यक्रम अधिकारी

आकाशवाणी, रायपुर

**डॉ. कुंज बिहारी शर्मा**

प्राचार्य

शास. नवीन कन्या महाविद्यालय, रायपुर

**डॉ. तेजिन्दर शर्मा**

जनरल सेक्रेटरी, संपादक—पूरवई

काथा, लंदन, यू.के.

**डॉ. अरुण होता**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

पश्चिम बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, कोलकाता

**डॉ. सुरेन्द्र रावल**

वरिष्ठ साहित्यकार

रायपुर

**श्री के. पी. सक्षेना**

साहित्यकार एवं अध्यक्ष

सीनियर सीटीजन वेलफेर फोरम, छत्तीसगढ़

**श्री राजेश गनोदयाले**

कला समीक्षक

रायपुर

**प्रो. हरिमोहन**

कूलपति

जे.एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद

उत्तर प्रदेश

**डॉ. रविन्द्र ब्रह्मे**

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

**सुश्री विम्मी मल्होत्रा**

साहित्यकार एवं कवियित्री,

रांची, झारखण्ड

**प्रो. मोहन**

प्राचार्यापक

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

**श्री के.प्रेशा राव**

वरिष्ठ उत्तराधिकारी

आकाशवाणी, रायपुर

**डॉ. एम. नघिरा शिवन्ति**

व्याख्याता

स्वामी विवेकानन्द कल्यारल सेंटर

कोलंबो, श्रीलंका

**श्री गिरीश पंकज**

साहित्यकार

रायपुर

**अनूप रंजन पांडे**

रंगकर्मी,

वरतर बैंड

**डॉ. रविन्द्र ब्रह्मे**

प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता

अर्थशास्त्र अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

**डॉ. एल. एस. गजपाल**

प्राचार्यापक एवं विभागाध्यक्ष

समाजशास्त्र अध्ययनशाला,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

**डॉ. अभिनेष सुराना**

प्राचार्यापक एवं विभागाध्यक्ष

शासकीय वी.वाई.टी. स्वशासी स्नातकोत्तर

महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

**सुश्री अर्मिता सिंह**

कवियित्री

संयोजिका, कृष्ण सखी संस्था,

कन्दोडिया

अभित्यवित  
2022

**ICFAI**<sup>®</sup>  
UNIVERSITY

### उपविषय

- |                                                          |                                                                                                                  |
|----------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (1) हिंदी भाषा का लोक संदर्भ                             | (8) भारतीय ज्ञान एवं संस्कृति का वैश्विक विस्तार                                                                 |
| (2) संस्कृति के विकास में हिंदी की भूमिका                | (9) हिंदी भाषा और जीवन मूल्य                                                                                     |
| (3) वैश्विक शांति और विकास में भारतीय संस्कृति का प्रभाव | (10) हिंदी भाषा के सर्वकालिक पक्ष (साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक एवं आध्यात्मिक) का महत्व |
| (4) ग्लोबल होती हिंदी में रोज़गार की संभावनाएं           | (11) क्षेत्रीय भाषा, बोलियों से पुष्ट होती हिंदी                                                                 |
| (5) हिंदी भाषा और मीडिया                                 | (12) प्रांसंगिकता की कसोटी पर राजभाषा हिंदी                                                                      |
| (6) वैश्विक हिंदी और भारतीय संस्कार                      | (13) आज़ादी के आंदोलन में हिंदी की भूमिका                                                                        |
| (7) हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी                           | (14) कम्प्यूटर में आसान है हिंदी                                                                                 |

### शोधपत्र

सहभागी अपना शोधपत्र लगभग 2000 शब्दों में एवं शोधसार लगभग 200 शब्दों में A-4 साईज पेपर में Krutidev-10 फॉण्ट में 14 रप्पेस केवल माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में ही भेंजे। पेपर की बायाँ ओर 1.50(11/2) इंच हाशिया एवं तीनों ओर 0.75 का हाशिया छोड़े तथा शोधपत्र की सॉफ्टकॉर्पी **8 अप्रैल 2022** तक अनिवार्य रूप से भेंज दें। शोध सार इस ईमेल पर भेंजे – **abhivyakti2022@iuraipur.edu.in** शोधसार – **4 अप्रैल 2022** तक अनिवार्य रूप से भेंज दें। पंजीयन की अंतिम तिथि – **12 अप्रैल 2022** एवं प्रस्तुतिकरण की तिथि – **19 एवं 20 अप्रैल 2022**.

#### ❖ मुख्य संरक्षक ❖

प्रो. (डॉ.) आर. पी. कौशिक

कुलाधिपति,

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर

#### ❖ संरक्षक ❖

प्रो. (डॉ.) एस.पी. दुबे

कुलपति

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर

#### ❖ आयोजन अध्यक्ष ❖

डॉ. रविकिरण पटनायक

कुलसचिव,

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर

#### ❖ संयोजक ❖

डॉ. (श्रीमती) जया सिंह

विभागाध्यक्ष, कला एवं मानविकी संकाय

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर

#### ❖ सह संयोजक ❖

डॉ. (श्रीमती) आभा शुक्ला

प्राध्यापक, वाणिज्य संकाय

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर

#### ❖ विश्वविद्यालय सलाहकार समिति ❖

डॉ. पीयूष कुमार ठाकुर

डॉ. रवि श्रीवास्तव

श्री शिव नारायण

समापन समारोह में उत्कृष्ट शोध पत्र को पुरस्कृत किया जाएगा।

# टो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

वैश्विक स्तर पर  
हिंदी भाषा की प्रासंगिकता

पंजीयन हेतु गूगल फार्म लिंक

गूगल फार्म



पंजीयन शुल्क

शिक्षाविद : 500/-

शोध छात्र : 200/-

} पंजीयन शुल्क इस खाता नम्बर में प्रेषित करें  
एवं इसकी पावती गूगल फार्म लिंक में अपलोड करें।

The ICFAI University Raipur,

Fee Collection Account,

Account Number : 50200000250942

IFSC code: HDFC0003692

} 1. पंजीयन शुल्क जमा करने के उपरांत भुगतान संबंधी विवरण प्रेषित करें।

2. प्रतिभागी का नाम 3. शोधपत्र का विवरण

अधिक जानकारी के लिये कॉल करें :

7000356538

8839119748

आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय लोकेशन:

गूगल लोकेशन



अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें—

📍 आयोजन अध्यक्ष – अभिव्यक्ति – 2022, आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, रायपुर एन.एच. 53, भिलाई-रायपुर रोड, कुम्हारी, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़

[www.iuraipur.edu.in](http://www.iuraipur.edu.in) [abhyakti2022@iuraipur.edu.in](mailto:abhyakti2022@iuraipur.edu.in)